सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 208 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 4 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

ये दुनिया एक रंगमंच है और सभी पुरुष और स्त्रियां महज किरदार हैं, उनको आना और जाना होता है और एक व्यक्ति अपने जीवन में कई किरदार निभाता है।
-विलियम शेक्सपीयर

पेरिस पैरालंपिक में भारत ने रचा... 7 | हरियाणा के चुनावी रण में प्रत्याशियों... 3 | सामाजिक न्याय के लिए जातीय... 2

आखिर हरियाणा में क्यों पतली हो रही है भाजपा की हालत

किसानों की नाराजगी और एंटी गवर्नमेंसी बनी बीजेपी के लिए चुनौती

» सत्ताधारी दल पर कांग्रेस बना रही बढ़त
» कांग्रेस-आप आए साथ तो बीजेपी हो जाएगी साफ

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा में चुनावी बिगुल बज चुका है। नई तारीखों के मुताबिक, प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को मतदान होना है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में भी जुट गए हैं। चुनाव को देखते हुए हरियाणा में नए-नए गठबंधन भी हो रहे हैं। लेकिन मुख्य लड़ाई दो प्रमुख दल सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच ही देखने को मिल रही है। सत्ता में बैठी भाजपा की हालत इस बार के चुनाव में काफी पतली नजर आ रही है।

विपक्षी दल कांग्रेस भाजपा पर बढ़त बनाती नजर आ रही है। इसकी वजह है कि कांग्रेस लगातार हरियाणा में आम जनता से जुड़ रही है और किसानों के हक की बात कर रही है। जबकि दूसरी ओर प्रदेश की जनता में सत्ता में बैठी भाजपा के प्रति नाराजगी है। किसानों को लेकर भाजपा के रुख के चलते किसान लगातार ही बीजेपी से नाखुश चल रहे हैं। वहीं विनेश फोगाट के कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की खबरों ने भाजपा की नीदें और भी उड़ा दी हैं। इस बीच आज विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात भी की। लोकसभा चुनावों के परिणामों को देखकर हरियाणा में भाजपा के लिए राह और भी मुश्किल हो गई है। क्योंकि जिस हरियाणा में भाजपा पिछले दो लोकसभा चुनावों से क्लीन स्वीप कर रही थी, उस हरियाणा में इस बार बीजेपी को 50 प्रतिशत सीटों का नुकसान हो गया और वो सिर्फ 5 सीटों पर जीत पाई। इस बीच हरियाणा में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की खबरों ने भाजपा की धड़कनें और भी बढ़ा दी हैं। क्योंकि ये जाहिर है कि अगर कांग्रेस और आप एकसाथ आ गए तो बीजेपी के लिए मुश्किलें चार गुना बढ़ जाएंगी।

चुनाव लड़ने की चर्चाओं के बीच राहुल से मिले पहलवान

पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट ने आज नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। ये मुलाकात ऐसे वक्त हुई, जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि दोनों स्टार पहलवान राजनीति में उतर सकते हैं। दोनों को कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट दे सकती है।

विनेश फोगाट-बजरंग पुनिया की राहुल से मुलाकात ने बढ़ाया सियासी पारा

हालांकि, कांग्रेस ने इस बात पर चुप्पी साध रखी है कि पुनिया और फोगाट को चुनावी दंगल में उतारा जा सकता है या नहीं? एआईसीसी महासचिव और हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने मंगलवार को कहा था कि गुरुवार तक स्थिति साफ हो सकती है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर विनेश फोगट और बजरंग पुनिया के साथ राहुल गांधी की एक तस्वीर पोस्ट की। पुनिया और फोगट पूर्व भाजपा सांसद और तत्कालीन भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ 2023 में यौन उत्पीड़न के आरोपों के विरोध में प्रदर्शन का हिस्सा थे।

कांग्रेस के इस दांव ने बढ़ाई बीजेपी की चिंता

कांग्रेस इस बार हरियाणा के विधानसभा चुनाव में बीते कुछ वर्षों में पार्टी को जितना नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने की तैयारी में है। वो चाह रही है कि इस चुनाव में उन सीटों को भी जीता जाए जहां बीते लंबे समय से पार्टी का खाता नहीं खुला है। इसके लिए ग्राउंड लेवल से लेकर टॉप लेवल तक, तैयारियों को आखिरी रूप भी दिया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी इस बार विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया जैसे स्टार पहलवानों पर दांव लगाने की सोच रही है। जाहिर है कि अगर विनेश फोगाट और बजरंग जैसे स्टार कांग्रेस के पाले में जाते हैं तो इससे भाजपा को और भी नुकसान होना तय है। क्योंकि पिछले साल पहलवानों ने भाजपा सांसद बृजभूषण के खिलाफ जो आंदोलन चलाया था, उसका नेतृत्व भी विनेश और बजरंग ने ही किया था। ऐसे में उस वक्त से इन दोनों ही पहलवानों के साथ जनता के भाव भी जुड़े हैं। कांग्रेस को जिसका लाभ मिलना तय लगता है।

कांग्रेस-आप का होगा गठबंधन!

भाजपा की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की चर्चाएं जोर पकड़ने लगीं। ये चर्चाएं तब शुरू हुईं जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की गुंजाइश पर राज्य के नेताओं से राय मांगी। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हरियाणा के नेताओं से बातचीत करते हुए राहुल गांधी आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन के पक्ष में दिखे। इसके बाद इन चर्चाओं को और हवा तब मिल गई जब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने भी राहुल गांधी के इस ऑफर और मंशा की सराहना करते हुए स्वागत कर दिया। हालांकि, दोनों ही पार्टियों का स्थानीय संगठन इस गठबंधन के पक्ष में नजर नहीं आता है।

कांग्रेस-आप के गठबंधन से भाजपा को होगा भारी नुकसान

अगर कांग्रेस और आप एकसाथ आते हैं तो भाजपा की मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी। योंकि इन दोनों के एक साथ आने से कांग्रेस का वोट छिटकेगा नहीं और न ही भाजपा को आप के पास वोट जाने से कोई लाभ मिल सकेगा। वहीं अगर 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणामों को देखें तो बूथ-स्तरीय डेटा से पता चलता है कि लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 44 में बढ़त हासिल की। कांग्रेस ने 42 में और आम आदमी पार्टी ने चार में बढ़त बनाई। इन आंकड़ों के मुताबिक, लोकसभा चुनावों के समय में अगर विधानसभा चुनाव होता तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन मिलकल 46 सीट हासिल कर लेता, जो कि बहुमत में आ जाता। शायद यही सोचकर राहुल गांधी आप से गठबंधन के लिए हाथ आगे बढ़ा रहे हैं।

सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना आवश्यक : अखिलेश

» बोले- भाजपा सरकार में प्रदेश हर स्तर पर पिछड़ता चला गया

» जनता महंगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, जिसको लेकर प्रदेश में सियासी हलचल तेज है। लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद समाजवादी पार्टी के हौसले बुलंद हैं और अब सपा का अगला लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर प्रदेश की सत्ता में वापसी करने का है। इस बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इशारों-इशारों में सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही पूरे प्रदेश के बुलडोजरों का रुख गोरखपुर की तरफ होगा।

अखिलेश ने ये बात तब कही जब वो प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर गोरखपुर के पार्टी संगठन के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। वहां के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की सरकार में निर्दोष लोगों को सताया जा रहा है। किसान परेशान हैं। नौजवानों का भविष्य अंधकारमय है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में जिन बूथों पर सपा की हार हुई है, वहां कार्यकर्ता पार्टी को मजबूत करने का काम करें। उस बूथ पर जिस समाज के ज्यादा लोग रहते हैं, वहां सपा के प्रमुख पदाधिकारियों व नेताओं को लेकर जाएं।

संविधान और आरक्षण के मुद्दे को और धार देना है

अखिलेश ने कहा कि राज्य की जनता समाजवादी सरकार के समय हुए विकास से परिचित है। जबसे भाजपा की सरकार सत्ता में आई है, प्रदेश हर स्तर पर पिछड़ता चला गया है। जनता महंगाई, भ्रष्टाचार से त्रस्त है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की राजनीति को निष्प्रभावी बनाने में पीडीए एक सशक्त भरोसा साबित हुआ है। संविधान और आरक्षण के मुद्दे को और धार देना है। सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना का होना आवश्यक है। समाजवादी पार्टी इन्हीं मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है।

डीएनए का मतलब नहीं जानते सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समाजवादी पार्टी के डीएनए में अराजकता और गुंडागर्दी होने की बात कहना और विकास कार्यों में लूट मचाना सपा का विकास मॉडल बताने वाले बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर पलटवार किया। अखिलेश यादव ने कहा कि आरोप लगाने से पहले फुल फॉर्म तो जान लेते। DNA का मतलब होता है Deo&yribonucleic Acid, वैसे जानते होते तो भी बोल न पाते। अखिलेश ने कहा कि अरबों-करोड़ों में सांसद-विधायक की भर्ती करवाने वाले लोग, जितना कम बोलें उतने में ही उनकी इज्जत है। ज्यादा बोलने वालों को ही, ज्यादा सुनना पड़ता है।

पेरिस पैरालंपिक में मेडल जीतने पर दी बधाई

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने पेरिस पैरालंपिक में पुरुष एकल वर्ग एसएल 4 वर्ग बैडमिंटन में रजत पदक जीतने वाले सुहास यतिराज को बधाई दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा सुहास ने रजत पदक जीतकर देश की शान बढ़ाई है। उन्होंने सुहास के स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

जयंत का बीजेपी के साथ जाने का फैसला गलत था: मैराजुद्दीन

» आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव ने छोड़ी पार्टी, जयंत पर बोला करारा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में आरएलडी को बड़ा झटका लगा है। एक तरफ आरएलडी पार्टी का विस्तार करने में जुटी है तो वहीं दूसरी तरफ पार्टी के पुराने और बड़े सिपहसलार पार्टी को अलविदा कह रहें हैं। आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. मैराजुद्दीन ने पार्टी को अलविदा कह दिया है।

आरएलडी से इस्तीफा देते ही मैराजुद्दीन पार्टी प्रमुख जयंत चौधरी पर बेहद हमलावर भी दिखे और मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कई बड़े आरोपों की बौछार कर डाली। आरएलडी के जम्मू-काश्मीर में चुनाव लड़ने के फैसले पर भी बहुत बड़ी बात कही है। डॉ. मैराजुद्दीन अहमद पूर्व मंत्री और आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव थे। पार्टी से इस्तीफा देते ही खुलकर बोल रहें हैं।

जयंत को नहीं बोलने देती बीजेपी

मैराजुद्दीन ने कहा कि जयंत चौधरी का बीजेपी के साथ जाने का फैसला गलत था और तभी से अंदर ही अंदर घुट रहा था। जयंत चौधरी कभी बोलना भी चाहते हैं तो बीजेपी टोक देती है, क्योंकि बीजेपी लाइन खींचकर पॉलिटिक्स करती है और इसी वजह से चीजें आरएलडी में बिगड़ भी रही हैं और बदल भी रही हैं। किसान, नौजवान, दलित, पिछड़े सभी जयंत चौधरी के बीजेपी के साथ जाने के फैसले से नाराज हैं।

मुस्लिमों के साथ हो रही घटनाओं पर खामोश हैं जयंत

डॉ. मैराजउद्दीन ने कहा कि मॉब लिंचिंग की घटनाएं हो रही हैं मुस्लिमों के साथ भी कई घटनाएं हुईं, लेकिन जयंत चौधरी खामोश हैं कुछ नहीं बोले। मेरठ में मवाना में हुई कई घटनाओं का भी उन्होंने जिक्र किया और कहा कि जयंत चौधरी से बात भी की, लेकिन फिर भी खामोश रहे। आयोग के सदस्य नरेन्द्र खजूरी, राष्ट्रीय महासचिव राजेन्द्र शर्मा और मैं कुछ लोगों के डेलीगेशन के साथ प्रशासन से मिलना चाहता था, लेकिन प्रशासन से मिलने का वक्त ही नहीं दिया। अब बताइए ये स्थिति बन गई है, क्या करता पार्टी न छोड़ता तो। इन्हीं सब बातों से दिल खट्टा हो गया।

'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' से 45 लाख बहनों को मिला लाभ

» मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक महीने में योजना के सफल होने का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली हेमंत सोरेन सरकार मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के जरिए प्रदेश की महिलाओं के बीच अपनी पहुंच मजबूत करने में जुटी है। इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस योजना की सफल होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत एक महीने में करीब 45 लाख महिलाओं के खाते में राशि पहुंचाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि मेरे साथी झारखंडियों, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को शुरू हुए 30 दिन हो गये और इस 1 माह में हम रिकॉर्ड 45 लाख से अधिक बहनों के खातों में सम्मान राशि की पहली किश्त पहुंचा चुके हैं। जिन बहनों के आवेदन में कुछ त्रुटियां हैं उन्हें भी सरकार आपके द्वार में कैम्प के माध्यम से दूर किया जा रहा है।

मात्र 3 सप्ताह में पूरा कर लिया था 48 लाख आवेदन का लक्ष्य

सीएम हेमंत सोरेन ने आगे लिखा कि 48 लाख के आवेदन लक्ष्य को हमने मात्र 3 सप्ताह में पूरा कर लिया था। इस योजना में आवेदन बहनें 21 वर्ष लगते ही कभी भी कर सकती हैं। एक बार इस योजना से जुड़ जाने के बाद 50 वर्ष तक आपको बिना रुके सम्मान राशि मिलती रहेगी। 50 वर्ष पूरे होते बहनें स्वतः हमारी सरकार की क्रांतिकारी सर्वजन पेंशन योजना से जुड़ जायेंगी, और यह पेंशन योजना आपके साथ आजीवन रहेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आगे लिखा कि शायद इन्हीं सब से हताश हो कर विपक्ष बहनों के इन लाभप्रद योजनाओं को लटकाने/रद्द करवाने के अपने कुंठित प्रयासों में लग गया है पर उन्हें इसमें कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा।

क्या पीएम को मंजूर है दंगाई भाषा : राउत

बीजेपी नेता नितेश राणे के बयान पर संजय राउत ने पीएम मोदी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीजेपी नेता नितेश राणे के बयान को लेकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है और इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा कि मैंने पढ़ा है कि बीजेपी का जो एक विधायक है उनके पिताजी पहले शिवसेना में थे, फिर कांग्रेस में गए और अब बीजेपी में हैं और वह लोग मस्जिद में घुसकर मारूंगा ऐसी टिप्पणी करते हैं। पीएम मोदी को क्या इस तरीके की भाषा मंजूर है। अगर आपको यह भाषा मंजूर है तो आप विदेश में जाकर मस्जिद में जाना छोड़ दीजिए।

राउत ने कहा कि आप जो विदेश में जाते हो, दुबई और सऊदी अरब इस्लामिक कंट्री में जाते हो और वहां बड़े-बड़े नेताओं से गले मिलते हो, वहां

की मस्जिदों में जाकर जो पाठ पढ़ाते हो, यह ढोंग बंद कर दीजिए। मस्जिद में घुसकर मारने की बात अगर कोई करता है तो सरकार ने क्या कार्रवाई की। मस्जिद में घुसकर मारने की बात करने से पहले अपने नेता से कहना चाहिए कि पाकिस्तान में घुसिए पहले और आतंकवाद के खिलाफ जंग छेड़िए।

भाजपाई दंगाई की भाषा बोलते हैं

शिवसेना-यूबीटी नेता ने कहा कि आए दिन जम्मू में अपने आर्मी बेस पर हमले हो रहे हैं और हमारे ही जवान शहीद हो रहे हैं। यह हर दिन की शहादत चल रही है। हमको लड़ना है तो इन लोगों से लड़ना है। यह गांव में जाकर भाषण देते हैं। यह दंगे भड़काना चाहते हैं। इस राज्य में आग लगाना चाहते हैं। अपने आप को यह नेता मानते हैं। हिंदुत्व वादी छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान अपने गांव में हुआ है। आप दंगाई की भाषा में बात करते हैं। जाइए चीन को आंख दिखाइए यह जो आंख है यह पाकिस्तान को दिखाइए।

मॉब लिंचिंग और बुलडोजर पर क्यों नहीं बोलते पीके : झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने पार्टी नेता तेजस्वी यादव को लेकर दिए गए बयान के लिए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर निशाना साधा और 'मॉब लिंचिंग' तथा 'बुलडोजर' जैसे मुद्दों को लेकर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। कुछ महीने पहले अपनी 'जन सुराज पार्टी' की स्थापना करने वाले किशोर ने बिहार के भोजपुर में एक सभा में राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री यादव की योग्यता पर सवाल उठाया था। किशोर ने कहा था कि 'एक नौवीं फेल' बिहार का विकास कर रहा है।

अगले बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवारों को प्रमुखता से अवसर दिए जाने के किशोर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए झा ने कहा कि वह मुस्लिमों के बारे में बात करते हैं लेकिन मैंने उन्हें कभी बुलडोजर पर बात करते नहीं सुना जब मुसलमानों के घर गिराये जाते हैं। कभी उन्हें मुस्लिमों की सुरक्षा पर या मॉब लिंचिंग पर बात करते नहीं सुना।

हरियाणा के चुनावी रण में प्रत्याशियों का अवरोध

बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व कर रहा है टिकटों पर मंथन

- राज्य की दोनों बड़ी पार्टियों में उठापटक जारी
- कांग्रेस में सीटें फाइनल गठबंधन पर भी चर्चा
- मुख्यमंत्री नायब सैनी का कांग्रेस और आप पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में चुनावी रणक्षेत्र सजती जा रही है। कांग्रेस ने जहां कुछ उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है वही भाजपा अब भी प्रत्याशी ढूंढने में पसीना बहा रही है। उधर ऐसी भी चर्चा है आप हरियाणा में कांग्रेस से फिर गठबंधन कर सकती है। हालांकि इसके लिए सीएम केजरीवाल पर सब छोड़ा गया है। वहीं गठंबध न होने की खबर के बीच हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने आप व कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में नामांकन शुरू होने में अब कुछ दिन ही बचे हैं,लेकिन अभी तक बीजेपी और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं किया है।

टिकटों के लिए मचे घमासान से बीजेपी परेशान है। बीजेपी के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक पिछले हफ्ते ही हुई थी, लेकिन अभी तक उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। इस बीच ऐसी खबरें हैं कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खेमे की मांग पर अभी बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व सहमत नहीं हो पा रहा है। इसी वजह से उम्मीदवारों के नाम के ऐलान में देरी हो रही है। करनाल के नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र के तरावड़ी में आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस और आप के संभावित गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और उनका गठबंधन पहले भी लोकसभा चुनावों में हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और आप खुद को ईमानदारी का चेहरा दिखाते हैं, लेकिन असलियत में उनका नकाब उतर जाता है और भ्रष्टाचार सामने आ जाता है। जनता अब इनके झूठ को समझ चुकी है और इनके बहकावे में नहीं आने वाली। जेजेपी के विधायकों के अलग-अलग पार्टियों में शामिल होने के सवाल पर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि जेजेपी की नीतियां और सोच उनके खुद के लिए ही स्वीकार्य हैं। लंबे समय से उनके नेता घुटन महसूस कर रहे थे, और अब भाजपा में शामिल होकर उन्हें राहत मिली है। हमने उनका स्वागत किया है।

राव इंद्रजीत ने फंसाया बीजेपी का पेंच

हरियाणा के उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में बीजेपी नेताओं की बैठकों का दौर जारी है। पार्टी मुख्यालय में हुए बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उम्मीदवारों के नाम पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में राव इंद्रजीत सिंह को खासतौर पर बुलाया गया था। राव इंद्रजीत सिंह पार्टी नेतृत्व से दक्षिण हरियाणा में 10 सीटें मांग रहे हैं। लेकिन नेतृत्व उन्हें इतनी सीटें देने को तैयार नहीं हैं इसी बात पर पेंच फंसा हुआ है। दक्षिण हरियाणा की जिन सीटों पर पेंच फंसा हुआ है, उनमें रेवाड़ी, अटेली, गुरुग्राम, बादशाहपुर, बावल, नारनौल, पटौदी और सोहना जैसी सीटें शामिल हैं।

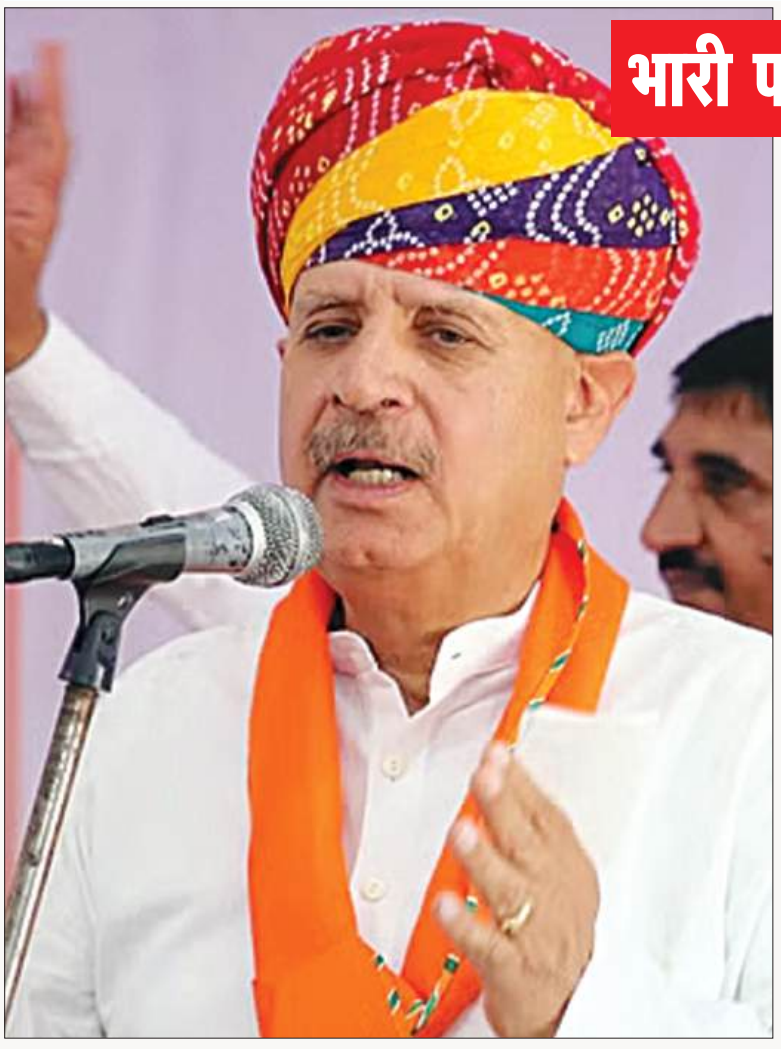

भारी पड़ सकती है राव की नाराजगी

राव इंद्रजीत सिंह केंद्र सरकार में तीसरी बार राज्य मंत्री बनाए जाने से खासे नाराज हैं। वो अपनी नाराजगी को कई मौकों पर जाहिर भी कर चुके हैं, वह कई बार कह चुके हैं कि हरियाणा में सरकार का रास्ता अहीरवाल से ही होकर जाता है, वो इशारों ही इशारों में पार्टी नेतृत्व को चेताते रहते हैं, वो मुख्यमंत्री बनने की इच्छा भी जता चुके हैं, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने कहा है कि इस बार का चुनाव नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। इससे उनकी उम्मीदों को झटका लगा है, राव इंद्रजीत सिंह छह बार सांसद रह चुके है, इसमें से तीन बार वो लगातार बीजेपी के टिकट पर जीते हैं। राव इंद्रजीत सिंह का दक्षिण हरियाणा में अच्छा-खासा प्रभाव है। ऐसे में चुनाव जैसे नाजुक मौके पर बीजेपी नेतृत्व उन्हें और नाराज नहीं करना चाहता है। उसकी कोशिश है कि बीच का कोई रास्ता निकाला जाए। अगर राव इंद्रजीत नाराज हुए तो दक्षिण हरियाणा में बीजेपी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। इससे लगातार तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाने में बीजेपी को मुश्किल आ सकती है। दक्षिण हरियाणा के गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ को अहीरवाल के रूप में जाना जाता है। भिवानी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और नूंह में भी यादवों की अच्छी-खासी संख्या है। अहीरवाल में गुरुग्राम, सोहना, पटौदी, बादशाहपुर, महेंद्रगढ़, नारनौल, नांगल चौधरी, रेवाड़ी, बावल, कोसली और अटेली जैसी करीब 20 विधानसभा सीटें आती हैं। यहां यादव मतदाता निर्णायक माने जाते हैं।

साथ आएंगे कांग्रेस और आप!

हरियाणा विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन में लड़ सकते हैं। दोनों दलों ने लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। हालांकि इसके बाद दोनों दलों ने विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ने का एलान किया था लेकिन अब फिर गठबंधन की सुगबुगाहट होने लगी है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को हुई सीईसी की बैठक में राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावनाएं तलाशने को कहा है। वहीं हरियाणा चुनाव के लिए गठबंधन को लेकर राहुल गांधी के बयान पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं। हमारी प्राथमिकता भाजपा को हराना है। हमारे हरियाणा प्रभारी संदीप पाठक और सुशील गुप्ता इस पर चर्चा करेंगे और अंतिम निर्णय लेंगे और अरविंद केजरीवाल को इसके बारे में सूचित करेंगे और उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा। वहीं आप हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह फैसला हाईकमान करेगा। गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आदेशानुसार हम सभी 90 सीटों पर तैयारी कर रहे हैं। हर विधानसभा में हमारी बैठकें हो रही हैं, हम लगातार कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, हम 15 दिनों में 40 और कार्यक्रम आयोजित करेंगे, आम आदमी पार्टी 90 सीटों पर पूरी तैयारी कर रही है... आम आदमी पार्टी बहुमत की सरकार बनाने के लिए, व्यवस्था परिवर्तन के लिए, भाजपा की अहंकारी और तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संघर्ष कर रही है।

कांग्रेस में 35 प्रत्याशियों के नाम पर लगी मुहर

हरियाणा कांग्रेस में विधानसभा टिकटों को लेकर मचे घमासान के बीच दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में पहले दिन 49 सीटों पर चर्चा की गई। इनमें से 35 प्रत्याशियों की पहली सूची के प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगाई गई। संभावना है कि पहली सूची किसी भी समय जारी हो सकती है। वहीं, मंगलवार को 55 सीटों पर मंथन होगा। दिल्ली में हुई बैठक में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन, हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया के अलावा हरियाणा से नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान शामिल हुए। खास बात यह रही कि कमेटी का सदस्य होने के बावजूद कुमारी सैलजा व रणदीप सुरजेवाला शामिल नहीं हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में 49 सीटों के प्रत्याशियों पर विचार किया गया और दावेदारों के बारे में फीडबैक व सर्वे रिपोर्ट को भी देखा गया। पहली सूची में अधिकतर विधायकों और दिग्गज नेताओं को स्थान दिया गया है। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी पांच बार बैठक कर चुकी है। अंतिम बैठक में पैनल तैयार होने के बाद कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और अजय यादव हाईकमान को अपनी सूची भेज चुके हैं। ये तीनों नेता हुड्डा खेमे के मुकाबले अपने-अपने इलाकों में समर्थक नेताओं को टिकट दिलाने की कोशिश में हैं। इस बार कांग्रेस साफ कर चुकी है कि टिकट सिफारिश नहीं सर्वे रिपोर्ट के आधार पर मिलेगी। कांग्रेस सीईसी की बैठक में तय हो गया है कि दिग्गज नेता अपनी पुरानी सीटों से ही लड़ेंगे। इनमें गढ़ी सांपला किलोई से पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, झज्जर से गीता भुक्कल, रेवाड़ी से चिरंजीव राव, बेरी से रघुबीर कादियान, रोहतक से बीबी बत्रा, महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह, नूंह से आफताब अहमद, बरौदा से इंदुराज भालू और पुन्हाना से मोहम्मद इलियास के नाम शामिल हैं। पूर्व सीएम भजनलाल के बेटे और पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रमोहन बिश्नोई के पंचकूला से चुनाव लड़ने पर सहमति बन चुकी है। कैथल से रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला और उचाना से पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नाम तय हैं। सीईसी की बैठक के बाद कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने कहा कि बड़े नामों पर चर्चा हुई है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी पुरानी सीट गढ़ी सांपला किलोई से लड़ेंगे। सांसदों के चुनाव न लड़ने और विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ये पदक व खिलाड़ी देश के लिए विशेष हैं!

पेरिस में चले रहे पैरालंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने सोमवार तक कुल 15 पदकों पर हाथ साफ करके अपनी व देश की धाक विदेश में जमा दी। इन खिलाड़ियों को पूरे देश से बधाई मिल रही है। दरअसल पैरालंपिक 2024 में बीते सोमवार को भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। देश को एक ही दिन में दो गोल्ड, तीन सिल्वर और तीन कांस्य मेडल मिला।

किसी का हाथ नहीं है तो कोई पैर से लाचार है , किसी का कोई न कोई अंग दिव्यांग है पर उनमें कुछ कर गुजरने की चाह में कोई कमी नहीं है। हम बात कर रहे पैरा ओलंपिक के खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने-अपने खेलों में उम्दा प्रदर्शन करते हुए पदकों पर कब्जा किया। पेरिस में चले रहे पैरालंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने सोमवार तक कुल 15 पदकों पर हाथ साफ करके अपनी व देश की धाक विदेश में जमा दी। इन खिलाड़ियों को पूरे देश से बधाई मिल रही है। दरअसल पैरालंपिक 2024 में बीते सोमवार को भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। देश को एक ही दिन में दो गोल्ड, तीन सिल्वर और तीन कांस्य मेडल मिला। हाल ही में समाप्त पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए कुछ खास नहीं रहा था। 17 दिन में केवल 6 मेडल ही मिल सके थे। ऐसे में पैरालंपिक में एक ही दिन में आए 8 मेडल 150 करोड़ भारतीयों के लिए मरहम का काम करेंगे। भाला फेंक में सुमित अंतिल मुख्य आकर्षण रहे।

उन्होंने न सिर्फ गोल्ड डिफेंड किया बल्कि पेरिस में दो बार टोक्यो के अपने ही पैरालंपिक रिकॉर्ड को दो बार तोड़ा। अब विश्व रिकॉर्ड और पैरालंपिक रिकॉर्ड दोनों ही भारतीय दिग्गज के नाम हैं। योगेश कथुनिया ने सोमवार को सिल्वर मेडल पुरुषों की डिस्कस थ्रो एफ56 स्पर्धा में जीता। भारतीय शटलर्स ने पांच पदक जीते। नितेश कुमार ने पुरुष एकल में अपना पहला पैरालंपिक गोल्ड जीत, जबकि सुहास यथिराज और थुलसीमाथी मुरुगेसन ने क्रमश अपनी-अपनी श्रेणियों में सिल्वर हासिल किए। भारत की शीतल देवी और राकेश कुमार ने पेरिस पैरालंपिक में मिश्रित टीम कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वहीं दूसरी तरफ इससे पहले संपन्न हुए ओलंपिक में कोई भी भारतीय खिलाड़ी तीरंदाजी में एक भी मेडल नहीं जीते। यहां सबसे बड़ी बात ये है ये सारे खिलाड़ी अपंग होते हुए भी शरीर से सम्पूर्ण खिलाड़ियो से अच्छा खेल रहे हैं। गौरतलब हो कि अभी हाल में पेरिस में हुए मुख्य ओलंपिक में भारत ने 17 दिन में महज 6 मेडल जीते। उसमें से एक सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल मिला लेकिन इस बार भारत को ओलंपिक में गोल्ड मेडल नहीं मिला। पैरा ओलंपिक में कुछ दिन शेष है ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि ये विशेष खिलाड़ी अभी और पदक जीतेंगे। इन दिव्यांगों द्वारा जीते गए पदक देश के लिए विशेष भी होंगे। इन पदकों को देखकर ये खिलाड़ी तो नाज करेंगे ही देश के करोड़ो युवाओं को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। सरकारों को भी इन खिलाड़ियों के लिए वैसी ही सुविधाएं देनी चाहिए जैसे एक समान्य खिलाड़ी को दी जाती है। इनको अगर और सहायता मिल जाएगी तो यह अपने खेल में और अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेहतर आर्थिक उपलब्धियों की आधी सदी

टीएन निनान

आज हमें लगता नहीं कि हुआ होगा, लेकिन 50 साल पहले भारत एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया था। उस समय आर्थिक संकट और राजनीतिक उथल-पुथल थी। एक साल बाद निर्णायक कार्रवाई के रूप में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर दिया था। लेकिन दो साल से भी कम समय में इस फैसले को वापस ले लिया। जो चीज अधिक दीर्घकालिक साबित हुई व जिस पर उस समय मुश्किल से गौर किया जाता था, इंदिरा गांधी के साफतौर पर झलकते वामपंथी झुकाव वाले चरण से इतर आर्थिक नीति में एक नई दिशा की जरूरत थी। इसके बाद वाले समय में, भारत द्वारा लंबे समय तक आर्थिक मोर्चे पर कमजोर प्रदर्शन करने वाले युग का अंत हुआ और आगे जाकर एक नई 'भारतीय गाथा' का जन्म हुआ।

वर्ष 1970 के दशक के मध्य तक, विश्व अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत की प्रगति काफी धीमी थी। 1970 के दशक का उत्तरार्ध संक्रमण काल था, जिसमें युद्ध, कमजोर खेती और यहां तक कि अकाल, भारतीय रुपये का असहनीय अवमूल्यन और तेल पर मिले दो झटकों के रूप में लगभग 15 साल तक संकटकाल बना रहा। जवाहर लाल नेहरू के शुरुआती आशावाद के बाद इनमें से कई घटनाओं ने राष्ट्रीय आत्मविश्वास खोने में योगदान किया था। लेकिन एक बार जब अर्थव्यवस्था स्थिर हो गई, तो उसके बाद लगातार आधी सदी तक बेहतर प्रदर्शन हुआ। विकास दर के मामले में, निम्न-आय और मध्यम-आय वाले देशों के अलावा, कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं को भी पीछे छोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप, देश के पास आज एक अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव है, जो इससे पहले कभी नहीं था। फिर भी, निरंतर खराब सामाजिक-आर्थिक मापदंडों और बढ़ती असमानता के कारण यह एक 'चमकदार' रिकॉर्ड नहीं रहा है। संक्रमण काल से पहले, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी कम ही रही—इससे पहले की गिरावट धीमी पड़ी, स्थिर हुई और आखिर में सुधरने लगी। वर्ष 1960 में यह 2.7 प्रतिशत से घटकर 1975 में 1.9 फीसदी रही। यहां तक कि 2013 में भी, विश्व जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 1960 की तुलना में मामूली कम थी। अब, 2024 में, यह वैश्विक जीडीपी का 3.5 प्रतिशत है। और चूंकि अर्थव्यवस्था वैश्विक औसत से दोगुनी गति से बढ़ रही है, इसलिए वैश्विक आर्थिक विकास में भारत तीसरा सबसे

बड़ा योगदानकर्ता है। प्रति व्यक्ति आय में भी इसी तरह सुधार हुआ है। प्रति व्यक्ति आय के वैश्विक औसत में, 1960 में यह 8.4 प्रतिशत से घटकर 1974 में 6.4 फीसदी रह गई। 2011 में यह मात्रा बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गई और 2023 में यह 18.1 प्रतिशत रही। पिछले पांच दशकों में यह वृद्धि लगभग तीन गुना है। फिर भी अधिकांश देशों में लोग काफी अच्छे जीवन स्तर का आनंद ले रहे हैं। वास्तव में, अफ्रीका और भारत के पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों के अलावा शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां प्रति व्यक्ति आय वैश्विक औसत से कम हो। अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। भारत की गाथा को बदलने वाला मुख्य कारक इसकी जनसंख्या का आकार है। हालांकि, प्रति व्यक्ति आय मामूली है, लेकिन जब इसे 140 करोड़ से गुणा किया जाता है, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देती है। वर्तमान में, भारत मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल-स्कूटर के लिए दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। शायद विमानन सेवा और कारों के लिए तीसरे या चौथे स्थान पर। उत्पाद और सेवा बाजार में हुई उल्लेखनीय वृद्धि मध्यम आय वर्ग के आकार में हो रहे विस्तार की बदौलत है। इस वर्ग को सेवा मुहैया करने वाले काम-धंधों से निवेशकों ने बहुत अधिक धन बनाया, जिससे भारत के डॉलर-खरबपतियों की गिनती में बढ़ोतरी हुई (200 की संख्या के साथ भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है) जबकि शेयर बाजार पूंजीकरण के हिसाब से इसकी स्टॉक मार्केट चौथे स्थान पर आती है। वर्ष 1970 के दशक के मध्य तक, लगभग आधी से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे थी। आज, 10 प्रतिशत से भी कम लोग आधिकारिक तौर पर गरीब हैं।

भारत का अंतर्राष्ट्रीय उल्लेख अब 'गरीबों का देश' की बजाय एक उभरती हुई शक्ति के रूप में किया जाता है। फिर भी, भारत अपने मानव विकास सूचकांक में केवल 'मध्यम विकास' वाला देश गिना जाता है, जबकि वियतनाम जैसे देशों ने 'उच्च विकास' का दर्जा प्राप्त कर लिया है। अगले एक दशक या उससे अधिक समय तक भारत की 'उच्च विकास' श्रेणी में शामिल होने की संभावना नहीं है—इसके ऊपर विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाली 'बहुत उच्च विकास' श्रेणी है, जिसमें जगह बनाने की आकांक्षा हमारा देश रखता है। हालांकि, यहां भी आंकड़े में सुधार हो रहा है। स्कूली शिक्षा में बिताई औसत अवधि, वर्ष 2010 में 4.4 वर्ष से बढ़कर अब 6.57 वर्ष हो गई है।

भारत पाकिस्तान के बीच बदलती फिजा के संकेत

ज्योति मल्होत्रा

क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए समय आ गया है कि वे अपनी झिझक छोड़कर कहें 'हां, मैं पाकिस्तान जाऊंगा'? जिन लोगों को ज्यादा खबरों का पता न होगा, उनके लिए बता दें कि पिछले 48 घंटों में बहुत कुछ घटा है। पंजाब में सिकुड़ते जा रहे शिरोमणि अकाली दल का फायदा आम आदमी पार्टी को अपना आधार मजबूत करने में हो रहा है- खासतौर पर जब अकाली विधायक अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा में शामिल होने से कतरा रहे हैं- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनका परिवार अमृतसर से है, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर अक्टूबर में इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसे ऐसा निमंत्रण मिला है, लेकिन इसको लेकर इरादा क्या है, यह नहीं बताया।

यह भी सच है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने इस उम्मीद में यह खबर जारी की होगी कि इससे भारत के अंदर कुछ सार्वजनिक दबाव बनेगा -अपने दिल में दर्द पाले उन उदारवादियों का, जिनकी आजीविका 'संपर्क करने और छूने' की मानवीय भावना को उभार देने पर टिकी है, फिर अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'मोमबत्ती जलाने वाली टोली' सदा इस रूप में भरोसेमंद रही है कि वह बातचीत के लिए दबाव बनाए। हर चीज को नकारने वाले लोगों की उबाऊ भविष्यवाणी भी उतनी ही सटीक है। उनके लिए : मोदी इस्लामाबाद नहीं जाएंगे, न ही जा सकते हैं और जाना भी नहीं चाहिए,क्योंकि पाकिस्तान दुश्मन है, सो भरोसे लायक नहीं है। अगर आप भी ऐसे लोगों में एक हैं, तो फौरन अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर अगली बस पकड़कर गुरदासपुर पहुंचें, ताकि आपको अपनी दुश्मनी को और पुख्ता करने का मौका मिले। जहां पर भारत-पाकिस्तान सीमा के कुछ किलोमीटर अंदर, जीरो लाइन से गज भर की दूरी पर ड्रोन उतरते हैं, यह तब आप जानेंगे कि कैसे हेक्साकॉप्टरों (ड्रोन) द्वारा शुद्धतम ग्रेड की सफेद हेरोइन -स्थानीय भाषा में चिट्टा- पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के आदेश पर पैकेटों के रूप में पहुंचाई जाती है। निसंदेह 'छद्म युद्ध' चलाने के अनेकानेक तरीके हैं।

दूसरा तरीका है, प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ जम्मू क्षेत्र में करवाना। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि हाल के महीनों में भारतीय सैनिकों और अर्धसैनिक बलों पर घात लगाकर जो हमले हुए हैं- जिनमें इस बार की गर्मियों में अब तक 18 सैनिक शहीद हुए हैं - कश्मीर घाटी से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तानी सरकार की एक सोची-समझी रणनीति है। तो, प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए? उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? सनद रहे पूरे 10 साल पहले, मोदी ने दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था और शरीफ आए भी - अपने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान की सलाह के विरुद्ध। जब शरीफ दिल्ली से वापस घर लौटे, तो कहा जाने लगा कि वे और उनका पद मुश्किल में है, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति से हाथ मिलाना चुना जो 2002 के दंगों के वक्त गुजरात का मुख्यमंत्री था, जिसमें एक हजार से अधिक मुसलमान मारे गए थे।

लेकिन शरीफ ने इसकी व्याख्या इस तरह से की 'मोदी दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री थे, पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है और दोनों ने विगत में उतार-चढ़ाव देखे हैं-ऐसे में शांति का हाथ बढ़ाना उनका कर्तव्य था'। परंतु शांति की यह बयार ज्यादा देर तक नहीं चली। 2 जनवरी, 2016 को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पठानकोट के वायुसेना अड्डे पर हमला किया। जल्द ही, मोदी ने घोषणा की कि सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त होने तक वे पाकिस्तान के साथ तमाम बातचीत बंद कर रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। लेकिन सच यह है कि आठ साल बाद भी सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ है। इस साल ग्रीष्म ऋतु शुरू होने के साथ जम्मू में घटी आतंकी घटनाएं संकेत देती हैं कि कोई तो है जो पर्दे के पीछे से पूरे तमाशे को चला रहा है। 'उसकी टूटी (नल का हैंडल) मेरे हाथ में है'-ये शब्द थे एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल के, जब 1999 की गर्मियों में, कारगिल युद्ध के चरम पर, उसने अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को सीमा पारीय आतंकवाद पर पाकिस्तान के नियंत्रण के बारे में कुछ इस तरह समझाया था। इस बातचीत को भारतीय खुफिया विभाग ने रिकॉर्ड किया, लिपिबद्ध किया और तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज को दिखाया, जब वे बीजिंग जाते समय दिल्ली में रुके थे।

2016 से मोदी भी ठीक इसी तरह दुविधा का सामना कर रहे हैं। वह अच्छी तरह समझते हैं कि पाकिस्तान की प्रकृति बदली नहीं है और इससे अधिक यह कि निकट भविष्य में बदलाव होने की संभावना नहीं है। यदि कोई गुंजाइश थी भी, वह पड़ोसी बांग्लादेश में जिस तरह सुनियोजित ढंग से गड़बड़ को भड़काकर शेख हसीना को सत्ताच्युत किया गया, उससे जाती रही - इसमें जरा संदेह नहीं कि स्थिति को इस चरम तक पहुंचने देने के लिए वह खुद भी पूरी तरह से जिम्मेदार रहीं - इससे मोदी को भारत के खतरनाक पड़ोस की एक स्पष्ट तस्वीर मिल जाती है। तो, क्या उन्हें 2016 में की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' और उसके बाद 2019 में बालाकोट में मिसाइल हमले जैसी निवारक कार्रवाइयों वाला तरीका ही जारी रखना चाहिए - भले ही यह साफ हो कि पाकिस्तान हर दिन भारत को नुकसान पहुंचाने के नए-नए तरीके खोजेगा? या फिर उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी का अनुसरण करते हुए उस देश के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए।

दूर दृष्टि, जवां स्किन, भुजाओं में ताकत और हार्ट को फौलाद बना सकता है

खुबानी

थोड़ा सा चटक पीला और थोड़ा सा सुर्ख लाल। कुछ-कुछ इसी तरह दिखने में लगता है खुबानी। बेहद शानदार रंग का यह फल आपको आकर्षित करेगा। खुबानी देखने में जितना आकर्षक है उतना ही इसके फायदे बेमिसाल है। विज्ञान ने इस बात को प्रमाणित किया है कि खुबानी का सेवन करने से आंखों में रोशनी बढ़ती है और हार्ट को बहुत फायदा मिलता है। खुबानी में प्लांट कंपाउड की मात्रा ज्यादा होती है। खुबानी में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यह पाचन तंत्र को बहुत मजबूत बना देता है। खुबानी लिवर के लिए भी फायदेमंद है। कुछ रिसर्च के मुताबिक खुबानी का सेवन कैंसर के जोखिम को भी कम करता है। ऐसे में यदि आप खुबानी का सेवन करते रहेंगे तो कई बीमारियों से दूर रहेंगे।

खुबानी में मौजूद पोषक तत्व

80 ग्राम खुबानी में 0.7 ग्राम प्रोटीन, 0.1 ग्राम फैट, 5.8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 1.8 ग्राम फाइबर, 216 मिलीग्राम पोटैशियम, 324 मिलीग्राम कैरोटेनीज, 5 मिलीग्राम विटामि सी के साथ कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इसके अलावा खुबानी में प्लांट कंपाउड की मात्रा भी अधिक होती है।

दूर-दृष्टि के लिए फायदेमंद

अक्सर कम उम्र से लोगों की दृष्टि कमजोर होने लगती है। खुबानी में बहुत अधिक मात्रा में कैरोटेनोएड कंटेंट होता है। यह विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत है। विटामिन ए आंखों में आयु से संबंधित कमियों को दूर करने के लिए बेहद फायदेमंद साबित होता है।

स्किन को रखे जवां

बनाता-कैरोटोनोएड स्किन के लिए भी बहुत बेस्ट कंपाउड होता है। इसलिए खुबानी स्किन पर उम्र के असर को कम करता है। एक स्टडी में कहा गया है कि खुबानी में फायटोइन और फायटोफ्लूइन प्रकार के कैरोटोनोएड होते हैं। ये दोनों कंपाउड स्किन की चमक को तेज करते हैं और स्किन में इलास्टिसिटी को बढ़ाते हैं।

पाचन तंत्र करता है मजबूत

खुबानी में डायट्री फाइबर अधिक होता है जिससे कॉन्स्टिपेशन की समस्या दूर हो सकती है और पेट में गैस्ट्रिक जूस का असर ज्यादा होगा। इसलिए खुबानी पेट से संबंधित कई तरह की समस्या को दूर करता है।

हार्ट के लिए फायदेमंद

खुबानी का सेवन हार्ट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खुबानी में प्लांट कंपाउड और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो हार्ट डिजीज के जोखिम को बहुत कम कर देता है। खुबानी में सॉल्यूबल फाइबर होता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को भी कम कर सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर को करता है कम

खुबानी में बहुत अधिक मात्रा में पोटैशियम होता है। पोटैशियम हमारे लिए इलेक्ट्रोलाइट का मुख्य स्रोत है। यह सोडियम के साथ मिलकर मसल्स में फ्लूड को बैलेंस करता है। इससे मसल्स भी मजबूत होता है। इससे शरीर में ताकत आती है। वहीं, पोटैशियम ब्लड प्रेशर को भी संतुलित करता है और ब्लोटिंग भी नहीं होने देता।

हंसना मना है

बबलू: पापा wife का मतलब क्या होता है? पापा: without information fight every time

पत्नी: सुनो जी में तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं। पति: इतनी ज्यादा कि मन करता है एक और ले आऊं।

पत्नी: देखो देखते देखते कब 10 साल निकल गए पता ही नहीं चला। पति (मन में): मेरे तो सिर्फ सुनते-सुनते निकले हैं।

पत्नी: देखिये मैं आपके लिए T-Shirt लाई हूं पति: कितने की? पत्नी: फ्री में ! पति: अरे वाह क्या बात है। पत्नी: ये T-Shirt 8000 की साड़ी के साथ फ्री में मिल रही थी मैंने सोचा ऐसी T-Shirt रोज रोज तो मिलेगी इसलिए मैंने वो साड़ी भी खरीद ली। पति बेहोश!

पति: तुम्हारे डैडी की मजाक करने की आदत गई नहीं अभी तक। पत्नी: क्यों क्या हुआ? पति: आज फिर कॉल करके पूछ रहे थे कि मेरी बेटी के साथ खुश तो हो।

मरीज: ऑपरेशन सही से करिएगा डॉक्टर: ऐसा क्यों कहा? मरीज: क्यूंकि सर्जन और विसर्जन में थोड़ा सा ही फर्क है यदि ऑपरेशन सही से हो गया तो आप सर्जन और यदि आपका हाथ हिल गया तो फिर मेरा विसर्जन।

कहानी | रंग-बिरंगे नाखून

राजा कृष्णदेव राय पशु-पक्षियों से बहुत प्यार करते थे। एक दिन एक बहेलिया राजदरबार में आया। उसके पास पिंजरे में एक सुंदर व रंगीन विचित्र किस्म का पक्षी था। वह राजा से बोला, महाराज, इस सुंदर व विचित्र पक्षी को मैंने कल जंगल से पकड़ा है। यह बहुत मीठा गाता है तथा तोते के समान बोल भी सकता है। यह मोर के समान रंग-बिरंगा ही नहीं है बल्कि उसके समान नाच कर भी दिखा सकता है। मैं यहां यह पक्षी आपको बेचने के लिए आया हूं। राजा ने पक्षी को देखा और बोले, हां, देखने में यह पक्षी बहुत रंग-बिरंगा और विचित्र है। तुम्हें इसके लिए उपयुक्त मूल्य दिया जाएगा। राजा ने बहेलिए को 50 स्वर्ण मुद्राएं दीं और उस पक्षी को अपने महल के बगीचे में रखवाने का आदेश दिया। तभी तेनालीराम अपने स्थान से उठा और बोला, महाराज, मुझे नहीं लगता कि यह पक्षी बरसात में मोर के समान नृत्य कर सकता है बल्कि मुझे तो लगता है कि यह पक्षी कई वर्षों से नहाया भी नहीं हैं। तेनालीराम की बात सुनकर बहेलिया डर गया और दुखी स्वर में राजा से बोला, महाराज, मैं एक निर्धन बहेलिया हूं। पक्षियों को पकड़ना और बेचना ही मेरी आजीविका है। अत: मैं समझता हूं कि पक्षियों के बारे में मेरी जानकारी पर बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाना अनुचित है। यदि मैं निर्धन हूं तो क्या तेनालीजी को मुझे झूठा कहने का अधिकार मिल गया है। बहेलिए की यह बात सुन महाराज भी तेनालीराम से अप्रसन्न होते हुए बोले, तेनालीराम, तुम्हें ऐसा कहना शोभा नहीं देता। क्या तुम अपनी बात सिद्ध कर सकते हो? मैं अपनी बात सिद्ध करना चाहता हूं, महाराज। यह कहते हुए तेनालीराम ने एक गिलास पानी पक्षी के पिंजरे में गिरा दिया। पक्षी गीला हो गया और सभी दरबारी पक्षी को आश्चर्य से देखने लगे। पक्षी पर गिरा पानी रंगीन हो गया और उसका रंग हल्का भूरा हो गया। राजा तेनालीराम को आश्चर्य से देखने लगे। तेनालीराम बोला, महाराज यह कोई विचित्र पक्षी नहीं है बल्कि जंगली कबूतर है। परंतु तेनालीराम तुम्हें कैसे पता लगा कि यह पक्षी रंगा गया है? महाराज, बहेलिए के रंगीन नाखूनों से। पक्षी पर लगे रंग तथा उसके नाखूनों का रंग एक समान है। अपनी पोल खुलते देख बहेलिया भागने का प्रयास करने लगा, परंतु सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे धोखा देने के अपराध में जेल में डाल दिया और उसे दिया गया पुरस्कार अर्थात 50 स्वर्ण मुद्राएं तेनालीराम को दे दिया गया।

7 अंतर खोजें

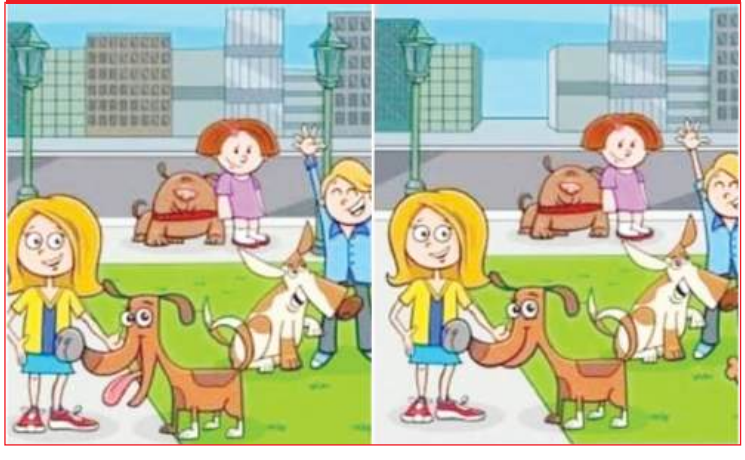

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्वास्थ्य को गंभीरता से लें मेष राशि वालों के लिए रोजगार की तलाश पूरी होगी। किसी महत्वपूर्ण पूर्ण कार्य की बाधा ससुराल पक्ष के सहयोग से दूर होगी।

वृषभ वृषभ राशि वाले नेगेटिविटी से बचें वृषभ राशि वालों के मन में बुरे विचार अधिक आते रहेंगे। किसी अनहोनी के आशंका बनी रहेगी। भोग विलास में अधिक रुचि रहेगी।

मिथुन किसी अधूरे महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे। स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा। नौकरी में पदोन्नति के साथ मनचाहा कार्य करने को मिल सकता है।

कर्क कारावास जाते-जाते बच जाएंगे। किसी अन्य के कारण आपके जीवन में आई विषमता समाप्त होगी। राजनीति में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी दूर देश के प्रियजन का शुभ संदेश मिलेगा।

सिंह कोई मनोकामना पूर्ण होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आई बाधा दूर होगी। किसी महत्वपूर्ण योजना अथवा अभियान की कामना आपको मिल सकती है।

कन्या किसी महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी मिलेगी। राजनीति में महत्वाकांक्षा पूरी होगी। किसी लंबी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी साथी से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा।

तुला किसी महत्वपूर्ण कार्य में यकायक बाधा बढ़ा सकती है। नौकरी छूट सकती है। कार्यक्षेत्र में अत्यधिक भागदौड़ थका देगी। व्यापार में आय की अपेक्षा खर्च अधिक होगा।

वृश्चिक साहस एवं पराक्रम को देख विरोधी की छक्के छूट जाएंगे। व्यापार में कठिन परिश्रम के बाद सफलता मिलने के योग हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य के बाधा राजनीति में व्यक्ति के सहयोग से दूर होगी।

धनु कार्यक्षेत्र में आया तनाव दूर होगा। शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। समाज में मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शत्रु पक्ष आपके साथ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ व्यवहार करेंगे।

मकर सामान्य सुख एवं उन्नति कारक रहेगा। अपनी निजी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही महत्वपूर्ण कार्य में कोई बड़ा निर्णय लें। सामाजिक गतिविधियों के प्रति अधिक जागरूक रहे।

कुम्भ किसी महत्वपूर्ण कार्य में अकारण विलंब होने से मन खिन्न रहेगा। व्यापार में परिवर्तन का निर्णय ले सकते हैं। राजनीति में अनुकूल वातावरण न होने से महसूस करेंगे।

मीन शासन सत्ता में बैठे किसी वरिष्ठ व्यक्ति से निकटता बढ़ेगी। विदेश सेवा से जुड़े लोगों को विशेष सम्मान, सानिध्य प्राप्त होगा। व्यापारिक स्थल पर कोई मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होने के योग बनेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अनन्या पांडे को पसंद नहीं आयी थी लाइगर की स्क्रिप्ट

अनन्या पांडे ने साल 2019 में अपना अभिनय करियर शुरू किया था। पांच साल में उनकी चार फिल्में बड़े पर्दे पर रिलीज हुईं, जिनमें से सिर्फ दो ही हिट हो पाईं। स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से डेब्यू करने वालीं अनन्या ने विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म लाइगर में भी काम किया, लेकिन यह भी बुरी तरह पिट गई। हाल ही में, उन्होंने लाइगर की स्क्रिप्ट को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। पुरी जगन्नाध के निर्देशन में बनी फिल्म लाइगर 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। स्पोर्ट एक्शन ड्रामा में विजय देवरकोंडा के अपोजिट अनन्या ने तान्या का रोल निभाया था। इस फिल्म के लिए न केवल उन्हें बेकार एक्टिंग के लिए ट्रोल किया गया, जबकि फिल्म भी सुपरफ्लॉप हुई। फिल्म में दिखाए गए मिसॉजनिस्ट टोन के लिए इसकी आलोचना भी हुई अब अनन्या का कहना है कि उन्हें पहले फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद नहीं थी और उन्होंने काफी बदलाव भी किए थे। अनन्या पांडे ने सुचरिता त्यागी के साथ एक इंटरव्यू में लाइगर की स्क्रिप्ट को लेकर अपनी असहजता के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब भी मैं कोई स्क्रिप्ट पढ़ती हूं तो मेरे दिमाग में यह रेड फ्लैग वाली बात चलती है, जैसे 'कोई भी जेन-जी व्यक्ति इस तरह नहीं बोलता।' यह ठीक नहीं है। एक महिला के रूप में यह मेरा कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि मैं वह चेहरा बनूं और कहूं कि यह सही नहीं है। अनन्या पांडे ने आगे कहा, अगर मैं ऐसा कहूंगी तो लोग सोचेंगे कि यह ठीक है। उदाहरण के लिए लाइगर में उस स्क्रिप्ट में बहुत सी चीजें थीं जहां मैं सोचती थी, 'सुनो मैं यह कहने के लिए ठीक नहीं हूं। एक महिला के रूप में यह सही नहीं है।' उन्होंने वाकई बदलाव किए और मैं खुश हूं कि मैंने उस समय अपनी राय रखी।

प्रमोद पाठक ने शाहरुख की तारीफ में पढ़े कसीदे

शाहरुख खान हिंदी सिनेमा के बड़े सुपरस्टार हैं। देश में ही नहीं विदेश में भी वो काफी ज्यादा लोकप्रिय हैं। पूरी दुनिया में बॉलीवुड फिल्मों को पसंद किए जाने के पीछे शाहरुख खान का भी एक अहम योगदान रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें पसंद करने वाले की लंबी कतार है। अपने शानदार अभिनय और खुशमिजाज व्यवहार से वह दर्शकों के साथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को भी काफी पसंद आते हैं। शाहरुख के सह-कलाकार अक्सर उनकी उदारता और दयालुता की तारीफ करते हैं। हाल में ही जाने-माने अभिनेता प्रमोद पाठक ने भी उनकी तारीफ की है। उन्होंने फिल्म रईस में शाहरुख खान के साथ काम किया था। उन्होंने इस दौरान उनके साथ काम करने से जुड़े अनुभवों को लेकर बात की है।

प्रमोद पाठक ने हाल में ही एआर डिस्कवरी की पॉडकास्ट में नजर आए। इस दौरान उन्होंने रईस में शाहरुख के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। राहुल ढोलकिया की इस फिल्म में वह गुजरात के मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते हुए नजर आए थे। उन्होंने कहा कि एक सुपरस्टार होने के बाद भी वह किंग अभिनेता का पूरा ध्यान अपने काम पर ही रहता है। उन्होंने सुपरस्टार की तारीफ करते हुए कहा कि लोग मान सकते हैं कि शाहरुख खान सुपरस्टार हैं, इसलिए उनमें बहुत दमखम है और वे रसूखदार भी लगते होंगे, लेकिन, वह बहुत ही सरल व्यक्ति हैं। अभिनेता ने आगे कहा कि वह अपने किरदार में सेट पर आते हैं और उनका पूरा ध्यान अपने काम पर रहता है।

फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करने के दौरान प्रमोद पाठक ने बताया कि उन्हें इस भूमिका के लिए 3-4 स्क्रीन टेस्ट देने पड़े, उसके बाद ही उन्हें चुना गया था। उन्होंने आगे बताया कि किंग अभिनेता ने उन्हें कभी यह महसूस नहीं कराया कि वे सुपरस्टार हैं। अभिनेता ने आगे कहा कि दोनों आसानी से चर्चा करते थे कि उन्हें एक-दूसरे के सीन पसंद हैं या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि शाहरुख के साथ काम करना आसान था, क्योंकि वो सुझाव लेते थे और अपनी राय भी साझा करते थे। उन्होंने आगे कहा, उनमें कोई अहंकार या स्टार वाला रवैया नहीं था। यह ऐसा था जैसे दो किरदार एक साथ काम कर रहे हों।

कुली में देवा बनकर रजनीकांत मचाएंगे धमाल

लोकेश कनगराज ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी आगामी निर्देशित फिल्म कुली का एक धांसू पोस्टर साझा किया है, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत बेहद ही स्टाइलिश और अनोखे अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म कुली के इस नए पोस्टर को देकर प्रशंसक बेहद खुश हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

निर्देशक लोकेश कनगराज ने एक्स पर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली का एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें कुली के किरदार में रजनीकांत को देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज की आगामी एक्शन फिल्म कुली के लिए सभी कलाकारों की घोषणा बुधवार 28 अगस्त को हुई थी। निर्माताओं ने अब सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म में उनके नाम देवा के खुलासे के साथ किया। सोमवार को निर्देशक लोकेश ने खुद थलाइवा का एक पोस्टर साझा किया,

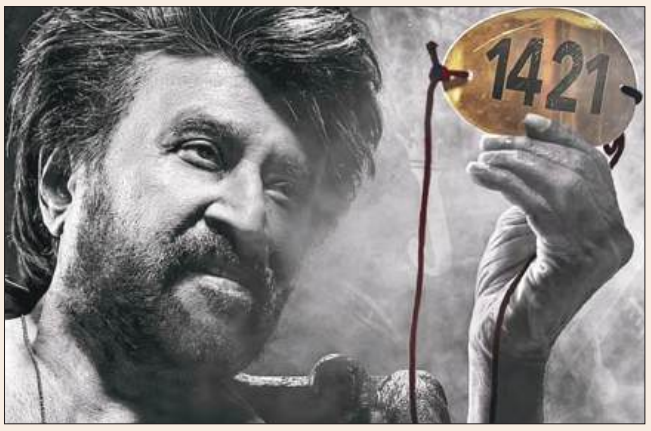

जिसमें उनके किरदार का नाम बताया देवा। इस पोस्टर में आप साफ देख सकते हैं कि रजनीकांत को एक सुनहरी प्लेट के पीछे की ओर देखते हुए देखा जा सकता है, जो एक आर्म बैज प्रतीत होता है, जिसके सामने 1421 नंबर लिखा हुआ है। उनके हाव-भाव से ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ ऐसा मिल गया है जिसकी उन्हें तलाश थी, जबकि उनके हाव-भाव बेहद ही आकर्षक दिखाई दे रहे हैं।

कुली के बाकी सभी कैरेक्टर्स का भी पोस्ट पहले ही जारी किया जा चुका है। रजनीकांत का पोस्टर भी काले और सफेद रंग में है, जिसमें प्लेट के सुनहरे रंग को उजागर करने के लिए गोल्डन रंग का प्रयोग किया गया है। फिल्म के शीर्षक के ऊपर, सुपरस्टार के रूप में देवा लिखा हुआ है। पोस्टर को साझा करते हुए, निर्देशक लोकेश ने लिखा, सुपरस्टार @rajinikanth सर हैशटेग कुली में देवा के रूप में। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद सर। यह एक धमाका होने वाला है।

हाल ही में लोकेश कनगराज ने कन्नड़ सुपरस्टार उपेंद्र का कैरेक्टर पोस्टर भी जारी किया था, जो कुली में कलीशा की भूमिका निभाएंगे। कुली में रजनीकांत और उपेंद्र के साथ सत्यराज भी नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में श्रुति हासन, नागार्जुन और सौबिन भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2025 में रिलीज हो सकती है।

अजब-गजब | द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुआ था इसका उपयोग

न्यूयॉर्क के बहुत ही पास है यह आइलैंड, कभी इसमें था एक अस्पताल, आज है पूरी तरह से सुनसान

दुनिया में रहस्यमी द्वीप तो बहुत हैं, पर ऐसे बहुत ही कम हैं जो किसी बड़े महानगर के पास हों। लेकिन द्वीप पूरी तरह से सुनसान है और आम लोगों के लिए दुर्गम है, फिर भी यह रहस्यमयी द्वीप दुनिया के सबसे मशहूर शहरों में से एक के तट से एक मील से भी कम दूरी पर है। यह नॉर्थ ब्रदर आइलैंड न्यूयॉर्क के ईस्ट रिवर में द ब्रोंक्स और रिकर्स आइलैंड के बीच स्थित है, जो महानगर की सबसे बड़ी जेल का घर है। लेकिन अमेरिका के सबसे बड़े शहर से कुछ ही दूरी पर होने के बावजूद, यह द्वीप पूरी तरह से निर्जन है।

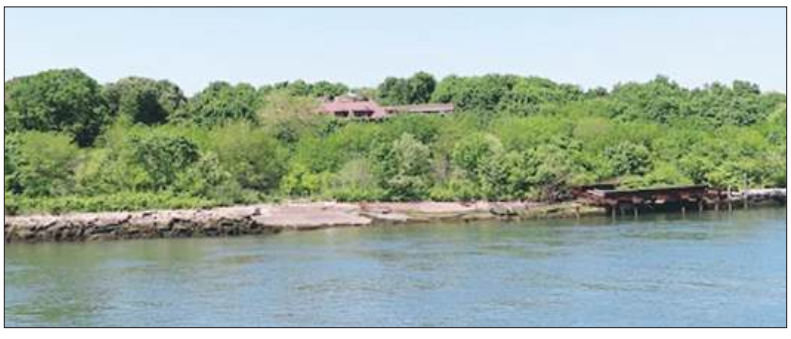

नॉर्थ ब्रदर आइलैंड शोधकर्ताओं या पत्रकारों के लिए कभी-कभार आने के अलावा, लोगों के लिए खुला नहीं है। इसने कुछ साहसी लोगों को इसे आजमाने से नहीं रोका है। यूट्यूब पर एडवेंचर जंकीज चैनल ने उजाड़ लैंडमार्क के चारों ओर एक नज़र डालने के लिए ईस्ट रिवर में कयाकिंग के अपने अनुभव को शेयर किया। इंसानों ने पहली बार 1869 में द्वीप का उपयोग करना शुरू किया, जब एक लाइटहाउस बनाया गया था। 1880 के दशक के मध्य में, रिवरसाइड अस्पताल को ब्लैकवेल के द्वीप, जो अब रूजवेल्ट द्वीप कहा जाता है, से नॉर्थ ब्रदर द्वीप में लाया गया था। बीमारी के प्रसार को रोकने के प्रयास में अस्पताल का उपयोग चेचक के पीड़ितों के इलाज और उन्हें अलग करने के लिए किया जाता था। साथ ही टाइफाइड और तपेदिक के पीड़ितों का भी इलाज किया गया और उन्हें वहीं पर क्वारंटीन किया गया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद, आवास की कमी के कारण यह द्वीप छात्र युद्ध के दिग्गजों और उनके परिवारों के लिए एक घर बन गया। जैसे ही इस समस्या का समाधान किया गया, 1950 के दशक तक यह द्वीप फिर से निर्जन हो गया, जब इसका उपयोग किशोर नशा करने वालों के लिए उपचार केंद्र के रूप में किया जाने लगा।

कर्मचारियों के भ्रष्टाचार, लागत और खराब रहने की हालत के कारण से मजबूरन 1960 के दशक में बंद करना पड़ा और नॉर्थ ब्रदर आइलैंड, पास के साउथ ब्रदर आइलैंड के साथ, आखिरकार निजी मालिकों के हाथ में आ गया। और तब से यह द्वीप एक रहस्यमयी प्रॉपर्टी जैसा बना हुआ है।

अपनी इन खासियतों के लिए चर्चा में है यूपी का ये श्मशान घाट

इटावा। आम तौर पर श्मशान घाट एक गंदगी भरी खराब जगह मानी जाती है लेकिन, इटावा शहर का श्मशान घाट दर्शनीय स्थल का रूप ले रहा है। नगर पालिका की पहल पर यहां पर शकंर भगवान की भव्य विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है जिसमें से पानी का झरना बहता है। एक बड़ा सा पार्क बनाया गया है। साथ ही शवयात्रा के साथ यहां आने वाले लोगों के लिए बड़े-बड़े हॉल बनाए गए हैं। जिसमें कूलर लगे हुए हैं और वातानुकूलित हॉल बनाया गया है। यहां लॉकर की सुविधा है। श्मशान घाट में कॉटेज का निर्माण कर भव्यता प्रदान की जा रही है। यहां आने वाले लोग इसकी सराहना करते नहीं थक रहे हैं। इटावा शहर में यमुना नदी के किनारे बना शमशान घाट अपने आप में अनूठा है। यहां पर आने वाले लोग आने के बाद बैठते है तो सब कुछ भूल जाते है। आगंतुक पार्क में जाकर सुकून का अनुभव करते हैं। वैसे तो किसी की शव यात्रा में जाने पर गमगीन माहौल ही होता है लेकिन, यहां के श्मशान घाट का माहौल उन्हें कुछ देर के लिए मन को शांत रखने में मददगार होता है। यहां पर बैठने के लिए संगमरमर के पत्थर लगे बड़े-बड़े हॉल हैं जहां पर स्टील की कुर्सियां लगी हुई हैं। गर्मियों के लिए कूलर और पंखे लगे हुए हैं। यहां पर वातानुकूलित हॉल है जिसमें काले कलर का ग्रेनाइट पत्थर लगा हुआ है जो अपने आप में विलासिता को दर्शाता है। यहां पर लॉकर की सुविधा भी है। जहां पर लोग अपने परिजनों की अस्थियों को सुरक्षित रख सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार विसर्जन के लिए ले जा सकते हैं। इस श्मशान घाट में भव्य हरा भरा पार्क है जिसमें तरह-तरह के पेड़ और फूलों के के पौधे लगे हुए हैं। यहां पर आने वालों के बैठने के लिए राजस्थानी पत्थर के कॉटेज बनाए जा रहे हैं। इटावा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विनय मणि त्रिपाठी ने बताया की इटावा के शमशान घाट में एसी हॉल और कूलर की व्यवस्था की गई है। हरियाली और साफ ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। ताकि यहां आने वाले लोग कुछ देर के लिए सुकून की अनुभूति कर सकें। स्थानीय वासीबलराम कुशवाहा का कहना है कि श्मशान घाट की व्यवस्था ऐसी की गई है जहां दुख भरे माहौल में भी चंद पल में सुख का एहसास हो सके। इटावा के स्थानीय निवासी उमेश कुशवाहा का कहना है कि नगर पालिका परिषद की ओर से श्मशान घाट की सूरत बदलने का जो काम किया जा रहा है वो वाकई में प्रशंसनीय ही माना जाएगा।

माफियाओं पर फूल बरसा रही योगी सरकार : अजय

» बोले- आने वाला समय कांग्रेस का है

» जातीय जनगणना के लिए कांग्रेस सड़क से संसद तक करेगी संघर्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख अजय राय बस्ती जनपद में अपने कार्यकर्ताओं के अंदर जोश भरने के लिए पहुंचे थे। जहां उन्होंने अटल बिहारी वाजपेई परीक्षा गिरी में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया और उन्हें आगामी चुनाव से पहले कांग्रेस की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का आवाहन भी किया। इस दौरान उन्होंने बात करते हुए देश प्रदेश के कई अहम मुद्दों पर अपनी राय रखी।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गाड़ी के पीछे दौड़ने वाले और उनके कार्यक्रम से पहले जाकर झाड़ू लगाने वाले सत्ता के लालच में कुछ भी करने को तैयार हैं। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के द्वारा बुलडोजर एक्शन पर दिए गए आदेश का स्वागत करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने दो टूक कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का स्वागत करती है। योगी सरकार के बुलडोजर मॉडल को गरीबों का दुश्मन बताते हुए कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई सिर्फ गरीब के घर को गिराने के लिए की जा रही है। जबकि अमीर और माफियाओं पर योगी सरकार फूल बरसा रही है।

सरकार का बुलडोजर एक्शन सिर्फ गरीबों के लिए

जातीय जनगणना देश की मांग

देश के सबसे अहम मुद्दे जातीय जनगणना के सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जातीय जनगणना देश की मांग है और देश हित में यह कार्य जरूर होना चाहिए। इसके लिए कांग्रेस पार्टी संसद से लेकर सड़क तक हर प्रकार का संघर्ष करेगी। वहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण लेने को गलत ठहराते हुए कहा कि बंगाल के जितने भी हिंदू शरणार्थी हैं। उन्हें आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्यों नहीं अपने देश में आने दे रहे हैं। सिर्फ शेख हसीना कोई देश में छुपाना कहां तक उचित है।

आगामी चुनावों में कांग्रेस करेगी बेहतर प्रदर्शन

हरियाणा सहित चार राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आने वाला समय अब कांग्रेस का है। इन सभी राज्यों में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। वहीं हरियाणा में आम आदमी पार्टी से गठबंधन के सवाल पर कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस सवाल का जवाब देगा। वही पुरानी पेंशन को नए तरीके से लागू करने के सवाल पर अजय राय ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि अभी तक इस तरह की कोई स्कीम सरकार ने लागू नहीं की है या सिर्फ उनके झूठे वादे हैं।

संख्याबल के अनुसार होगा मुख्यमंत्री का फैसला : शरद

» एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने दिया बड़ा बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी सियासी गहमागहमी के बीच एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कोल्हापुर में कहा कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पहले यह देखना होगा कि किस पार्टी के कितने उम्मीदवार चुनकर आएंगे, उसके बाद संख्या बल के अनुसार फैसला होगा। उनके बयान से साफ है कि कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) का गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) चुनाव से पहले मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा नहीं करेगा।

पवार का ये बयान उद्धव ठाकरे के लिए झटका माना जा रहा है। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) के कई नेता उनके सीएम चेहरे को लेकर पैरवी करते रहे हैं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था कि कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के पास अगर कोई चेहरा है तो वो इसकी घोषणा करे, हम समर्थन करेंगे। उनका ये बयान तंज के तौर पर देखा गया। हालांकि, बाद में विवाद होने पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे पूर्व मुख्यमंत्री हैं और उनका चेहरा महाराष्ट्र में सभी को स्वीकार्य है। उन्होंने कांग्रेस और एनसीपी से अपने सीएम के चेहरे की घोषणा करने के लिए कहकर क्या गलत कहा है? उन्होंने अपनी दरियादिली दिखाई है।

भ्रष्टाचार के कारण गिरी प्रतिमा

शरद पवार ने कहा कि पिछले महीने सिंधुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने का कारण 'भ्रष्टाचार' है। पवार कोल्हापुर जिले के कागल में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे जहां भारतीय जनता पार्टी के नेता राजे समरजीत घाटगे ने राकांपा (एसपी) की सदस्यता ग्रहण की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके शरद पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने ही समुद्र के सामरिक महत्व को रेखांकित किया था और सिंधुर्ग तथा अन्य समुद्री किलों का निर्माण कराया था। यह देखना चौंकाने वाला था कि कुछ महीने पहले ही बनी प्रतिमा ढह गई जिसका प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया था।

अपर्णा बनीं महिला आयोग की उपाध्यक्ष

» आगरा की बबीता चौहान बनीं अध्यक्ष

» योगी सरकार ने सौंपी पहली बार बड़ी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव को एक बड़ी जिम्मेदारी दी है। योगी सरकार ने अपर्णा को महिला आयोग की उपाध्यक्ष घोषित किया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बबीता चौहान को राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया और अपर्णा को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

जाहिर है कि अपर्णा यादव जनवरी 2022 में बीजेपी में शामिल हुई थीं और ढाई साल बाद उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपर्णा यादव को यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष बनाए जाने की अधिसूचना 3 सितंबर की शाम जारी हुई। महिला कल्याण अनुभाग की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल आनंदबेन पटेल ने आगरा की बबीता चौहान को यूपी महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया है। अपर्णा यादव के साथ गोरखपुर की चारू चौधरी को आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा आयोग में 25 सदस्य हैं।

सुल्तानपुर बना अपराध का गढ़

» कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

» हफ्ते भर में चार बड़ी घटनाओं से उड़ा जिले का अमन-चैन

» एक ही दिन में गोली चलने की दो वारदातें, एक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। शांत रहने वाला शहर अचानक पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में आ गया है। वजह है शहर में अचानक बढ़ता अपराध। एक ओर जहां प्रदेश की योगी सरकार राज्य में बेहतर कानून व्यवस्था का दंभ भरती रहती है, वहीं दूसरी ओर जमीन पर हालात कुछ अलग ही नजर आते हैं। क्योंकि प्रदेश में अपराध काबू होने की बजाय और बढ़ गए हैं।

प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में पिछले एक सप्ताह में ही चार बड़ी वारदातें देखने को मिली हैं। इन वारदातों ने जिले का अमन चैन बिगाड़ दिया है और यहां के निवासियों को भय के माहौल में डाल दिया है। जल-निगम के अधिकारी की हत्या के आरोपियों को पुलिस जेल भेज के पीठ थपथपा ही रही ही थी कि इसी बीच दिनदहाड़े ठठेरी बजार में भरत ज्वेलर्स पर हुई लूट की घटना ने जिले समेत पूरे प्रदेश को हिला दिया। इस घटना के बाद आईजी लगातार कैंप करते रहे और एडीजी जोन भी मौके पर पहुंचे। पुलिस इस घटना में व्यस्त ही थी कि अंकुर मिश्र नाम के विधि के छात्र को विनोबापुरी बाईपास के पास गोली मार के अपराधियों ने फिर से पुलिसिया इकबाल को चुनौती दे दी।

दिनदहाड़े चली गोली

तीन सितम्बर को सुल्तानपुर पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा किया और मुठभेड़ में तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया। इस खुलासे के कुछ घंटे भी नहीं बीत पाए थे अभी फिर से अपराधियों ने गोली चलाकर हत्या की वारदात कर पुलिस को काम पे लगा दिया। सरेशाम शहर के सबसे प्रमुख इलाके पयागीपुर में अपराधियों ने एक नवयुवक को गोली मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर हमलावर फरार हो गए। घटना का वीडियो भी सोसल मीडिया पे वायरल हुआ जिसमे कुछ नौजवान लड़के आपस में मार-पिटाई करते हुए दिख रहे हैं। इसी बीच एक व्यक्ति को गोली लग जाती है और वो जमीन पर गिर जाता है। मृतक की पहचान अभय प्रताप सिंह (उम्र 22 वर्ष) निवासी पकड़ी के रूप में हुई है। मृतक के चाचा राम अभिलाख सिंह सत्ताधारी दल के मंडल अध्यक्ष हैं।

आपसी रंजिश में चली गोली

इस घटना को अभी घंटा भर भी नहीं बीत पाया था कि जिले में दूसरी गोली चलने की वारदात हो गयी मोतिगरपुर थानाक्षेत्र के बेलहरी के पास युवक को गोली मार दी गई जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की वजह आपसी रंजिश बताई जा रही, घायल व्यक्ति का नाम सुधांशु सिंह बताया जा रहा है। वहीं सूत्रों के अनुसार युवक के पास भी अवैध तमंचा था। लापरवाही में गोली चल गई। जिससे हादसा हो गया। स्थानीय लोगों की माने तो घटना पूरी तरह संदिग्ध है।

पेरिस पैरालंपिक में भारत ने रचा कीर्तिमान

» 20 पदक के साथ टोक्यो को पीछे छोड़ भारत ने किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

» अब तक जीते 3 गोल्ड, 7 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज मेडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारत के पैरा एथलीट्स ने पेरिस पैरालंपिक में इतिहास रच दिया है। अब तक किसी भी पैरालंपिक में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारत पेरिस पैरालंपिक में अब तक 3 गोल्ड, 7 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 20 मेडल अपनी झोली में डाल चुका है। खास बात यह है कि इस बार जिन खिलाड़ियों ने मेडल जीते हैं उनमें 9 तो टोक्यो पैरालंपिक के पदकवीर भी रह चुके हैं।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भारत ने 5 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। कुल 19 मेडल्स के साथ यह भारत का पैरालंपिक गेम्स में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। लेकिन इस बार भारत ने अपने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है और अब तक 20 मेडल अपने नाम कर चुका है। पैरा एथलीट मुरलीकांत पेटकर ने पैरालंपिक गेम्स में साल 1972 में भारत को पहला मेडल जिताया था। मुरलीकांत पेटकर वही खिलाड़ी हैं, जिनकी जिंदगी पर हाल ही में चंदू चैम्पियन फिल्म भी आई थी।

इन खिलाड़ियों ने टोक्यो में भी जीते थे पदक

अब आपको बताते हैं टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में मेडल जीतने वाले कॉमन खिलाड़ियों के बारे में। ऐसे कुल 10 खिलाड़ी हैं जो पेरिस और टोक्यो दोनों के ही पदकवीर हैं। टोक्यो में ऊंची कूद में सिल्वर जीतने वाले निशाद कुमार ने इस बार भी सिल्वर मेडल जीता। अवनि लेखरा ने टोक्यो में 1 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज जीता था, इस बार भी उन्होंने गोल्ड मेडल जीता। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने जैवलिन थ्रो में टोक्यो की तरह इस बार भी ब्रॉन्ज जीता। ऐसा ही प्रदर्शन योगेश कथूनिया का रहा, जिन्होंने डिस्कस थ्रो में टोक्यो की तरह इस बार भी सिल्वर जीता।

सुमित अंतिल ने पेरिस में भी जीता सोना

वहीं टोक्यो पैरालंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट रहे सुमित अंतिल ने पेरिस में भी धमाल मचाया और रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। शूटिंग में मनीष नरवाल ने पेरिस पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीता था, उन्होंने इस बार सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके अलावा मरियप्पन थंगावेलु और शरद कुमार, सुहास एलवाई भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

भारत के इतिहास में पहली बार छीना गया राज्य का दर्जा : राहुल गांधी

» कांग्रेस सांसद बोले- बीजेपी और आरएसएस देश में नफरत और हिंसा फैला रहे हैं

» कांग्रेस ने की जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रचार की शुरुआत

» कहा- नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की जनता से डरते हैं, जम्मू-कश्मीर में है अधिक बेरोजगारी

» पीएम पहले छाती चौड़ी करके आते थे अब झुककर आते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामबन। एक लंबे वक्त के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। आज कांग्रेस ने इन चुनावों के लिए अपने प्रचार अभियान का शुभारंभ कर दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज जम्मू-कश्मीर में मेगारैली संबोधित करते हुए कांग्रेस का चुनावी एजेंडा भी इस राज्य में सेट कर दिया। साथ ही कांग्रेस के लिए चुनावी बिगुल फूंक दिया है।

राहुल ने अपनी इस रैली में भाजपा व पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा है। इस दौरान राहुल ने जम्मू-कश्मीर के राज्य दर्जे, बेरोजगारी, बिजली समस्या और देश में फैली नफरत पर बात की। राहुल गांधी ने कहा कि अब नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की जनता से डरते हैं और अब थोड़ा सा वक्त बचा है, हम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को सरकार से हटा देंगे। हम चाहते हैं कि देश में भाईचारा हो, सबकी इज्जत हो, एक-दूसरे के साथ अच्छे से बात हो।

वो तोड़ते हैं, हम जोड़ते हैं

राहुल गांधी ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार राज्य का दर्जा छीना गया है। एक राज्य को खत्म कर दिया गया और लोगों के अधिकार छीन लिए गए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बीजेपी और आरएसएस के लोग नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। उनका काम नफरत फैलाने का है और हमारा काम मोहब्बत फैलाने का है। वो तोड़ते हैं और हम जोड़ते हैं। नफरत को मोहब्बत से ही हराया जा सकता है। अंत में मोहब्बत की ही जीत होती है। पहले नरेंद्र मोदी छाती फैलाकर आते थे और अब झुककर आते हैं। राहुल गांधी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ आपसे छीना जा रहा है। 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में राजा हैं, उनका नाम एलजी है।

बीजेपी नहीं चाहती जम्मू-कश्मीर को मिले राज्य का दर्जा

कांग्रेस सांसद ने कहा कि हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और चुनाव जम्मू-कश्मीर के राज्य बनने के बाद हों। बीजेपी ऐसा नहीं चाहती, वे चाहते थे कि पहले चुनाव हो जाएं और फिर राज्य के दर्जे पर बात हो। बीजेपी चाहे या न चाहे, इंडिया गठबंधन उन पर दबाव बनाएगा और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलेगा।

हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलेगी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की गठबंधन सरकार यहां सत्ता में आने वाली है, ऐसा होने जा रहा है। हम सभी सरकारी रिक्तियों को भरेंगे और आयु सीमा को 40 साल तक बढ़ाएंगे, हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करेंगे, उन्हें स्थायी करेंगे और हम उनकी आय बढ़ाएंगे। हमारा लक्ष्य सबको साथ लेकर जम्मू-कश्मीर की सरकार चलाना होगा, सभी का सम्मान होना चाहिए, हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। राहुल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में देश के बाकी हिस्सों से ज्यादा बेरोजगारी है। कभी मोदी जी समुद्र के नीचे चले जाते हैं, कभी किसी राजनेता को गले लगाते हैं लेकिन वह कभी बेरोजगारी के बारे में बात नहीं करते। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार सत्ता में आने वाली है।

दिल्ली में एलजी के अधिकार बढ़ाने पर आप ने खड़े किए सवाल

» सौरभ भारद्वाज बोले- जनता के प्रति जब एलजी की जवाबदेही नहीं, तो ज्यादा अधिकार क्यों?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिल्ली में बोर्ड और पैनल बनाने और सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार एलजी को दिए जाने पर आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जब उनकी दिल्ली के जनता के प्रति कोई जवाबदेही ही नहीं है तो फिर और ज्यादा अधिकार क्यों?

भारद्वाज ने कहा कि जहां तक केंद्र सरकार का सवाल है, तो वे चाहते हैं कि पूरी दिल्ली एलजी द्वारा चलाई जाए। चूंकि, बीजेपी चुनाव जीतने में सक्षम नहीं है, इसलिए वह पिछले दरवाजे से दिल्ली पर नियंत्रण करना चाहती है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एलजी को और ज्यादा पावर देने पर कहा कि जब जिम्मेदारी और जवाबदेही की बात आती है, तो एलजी साहब काम नहीं कर रहे हैं। आप नेता का कहना है कि दिल्ली में हजारों डॉक्टरों की भर्ती करनी है। अस्पतालों में पद सृजित करने हैं। हजारों बस मार्शल बेरोजगार हो गए हैं। एलजी साहब को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि, उन्होंने यह सब काम बंद कर दिया है। इसके उलट, जब अधिकार हासिल करने की बात आती है, तो वे और अधिक अधिकार ले रहे हैं। वे क्यों ले रहे हैं? ताकि वे अधिकारों का दुरुपयोग कर सकें।

ऐसा करने के लिए वे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के माध्यम से प्रसिद्ध होने के लिए सालाना 1.5 करोड़ रुपये में एक सोशल मीडिया कंपनी को काम पर रख रहे हैं। चुनी हुई सरकार के अधिकार छीने जा रहे हैं। नियुक्त लोगों को अधिकार दिए जा रहे हैं।

फोटो: 4पीएम

आगमन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे राजधानी लखनऊ, भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया स्वागत।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आवास के बाहर धरने पर बैठे अभ्यर्थी, एक प्रदर्शनकारी हुआ बेहोश

» इससे पहले केशव मौर्य और मंत्री आशीष पटेल के घर का कर चुके हैं घेराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। अपने लिए न्याय की मांग कर रहे 69 हजार शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और राज्य सरकार में मंत्री अशीष पटेल के घरों का घेराव करने के बाद अब ये अभ्यर्थी भाजपा के यूपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की चौखट पर अपनी फरियाद लेकर पहुंच गए हैं। आज इन भर्ती अभ्यर्थियों ने भूपेंद्र चौधरी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और अपने लिए न्याय की मांग की।

अभ्यर्थियों का कहना है कि हाईकोर्ट का जो निर्णय आया है, सरकार उसे जल्द लागू करे और न्याय देते हुए नियुक्ति का रास्ता साफ करे। अभ्यर्थियों ने यह भी कहा कि दागी अधिकारियों को तत्काल हटाकर नए अधिकारी नियुक्त करें। ताकि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी रूप से पूरी की जा सके।

अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है। उन्हें नौकरी से वंचित कर दिया गया। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद 13 अगस्त को लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया है।

नफरत को बढ़ावा देने के कारण हुई छात्र की हत्या

» पशु तस्कर समझकर 12वीं के छात्र की हत्या मामले पर भड़के राज्यसभा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने पशु तस्कर समझकर 12वीं कक्षा के छात्र की हत्या के मामले में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा है। उन्होंने बताया कि यह घटना नफरत को बढ़ावा देने के कारण घटी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पूछा कि उपराष्ट्रपति धनखड़ और पीएम मोदी क्या इस घटना पर बोलेंगे? बता दें कि 23 अगस्त को फरीदाबाद में पांच गोरक्षकों ने छात्र आर्यन मिश्र का एक कार में पीछा किया। इन गोरक्षकों ने छात्र को पशु तस्कर समझकर उसे गोली मार दी। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि हमें शर्म आनी चाहिए। हरियाणा में 12वीं कक्षा के छात्र आर्यन मिश्र को पशु तस्कर समझकर गोरक्षकों ने उसकी हत्या कर दी। यह नफरत के एजेंडा को बढ़ावा देना है। उन्होंने आगे कहा कि क्या हमारे प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति और गृह मंत्री इसपर कुछ बोलेंगे?

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।